कक्षा–5 के विद्यार्थियों की गणित उपलब्धि पर उपचारात्मक शिक्षण का प्रभाव एक अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध

2005 - 2006

निर्देशक :-

डॉ. बी. रमेश बाबू

प्रवाचक

शिक्षा विभाग, भोपाल

शोधकर्ता :-

शैलेष माथुकिया

एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

संगठित इकाई राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली

कक्षा–5 के विद्यार्थियों की गणित उपलब्धि पर उपचारात्मक शिक्षण का प्रभाव

एक अध्ययन

D - 224

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध

2005 - 2006

निर्देशक :-

डॉ. बी. रमेश बाबू

प्रवाचक

शिक्षा विभाग, भोपाल

शोधकर्ता :-

शैलेष माथुकिया

एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

संगठित इकाई राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली

घोषणा-पत्र

मैं, **शैलेष माथुकिया** छात्र एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि **कक्षा-5 के विद्यार्थियों की गणित उपलब्धि पर उपचारात्मक शिक्षण का प्रभाव - एक अध्ययन** नामक विषय पर लघुशोध प्रबन्ध 2005-06 में **डॉ. बी. रमेश बाबू**, प्रवाचक (शिक्षा विभाग), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबन्ध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा) 2005-06 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गये आँकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 10-4-2006

शोधकर्ता,

Mathukia

(शैलेष माथुकिया)
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **शैलेष माथुकिया** ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध कार्य "कक्षा-5 के विद्यार्थियों की गणित उपलब्धि पर उपचारात्मक शिक्षण का प्रभाव" - एक अध्ययन मेरे निर्देशन में विधिवत् रूप से पूर्ण किया गया है। यह शोध कार्य इनके अथक परिश्रम, लगन एवं निष्ठा से किया गया मौलिक प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2005-2006 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान :- भोपाल
दिनांक :- 10.4.2006.

निर्देशक

डॉ. बी. रमेश बाबू
प्रवाचक शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने निर्देशक **डॉ. बी. रमेश बाबू** का कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति के मार्ग की ओर अग्रसर करते रहे। यह शोध ग्रंथ आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वात्सल्य, पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य **डॉ. एम.सेन. गुप्त,** अधिष्ठाता **प्रो. वी. जी. जाधव** एवं विभागाध्यक्ष **डॉ. एस.के. गुप्ता** के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, **डॉ. लक्ष्मीनारायण सर, डॉ. के.आर. शर्मा, श्री पी.के. त्रिपाठी** के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने गणित विभाग के गुरूजन **डॉ. के.बी. सुब्रमनियम सर** का आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस अध्ययन के चयन से लेकर अंत तक सहयोग दिया।

मैं उन समस्त विद्वानों का आभारी हूँ, जिनके ग्रंथों का संदर्भ ग्रंथ के रूप में प्रयोग किया है।

मैं अपने समस्त सहपाठियों को सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

अंत में मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों (भाई-श्री विजय माथुकिया, बहन शीतल माथुकिया और माता, पिता) का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वाकाँक्षा की पूर्ति हेतु तन,मन, धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

स्थान :- भोपाल
दिनांक :- 10-4-2006

शोधकर्ता
Mathukia...
शैलेष माथुकिया
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म. प्र.)

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ क्र.
अध्याय –	**प्रथम (शोध परिचय)**	1–17
1.0	प्रस्तावना	
1.1	प्राथमिक शिक्षा का निम्न गुणात्मक स्तर एक समस्या	
1.2	प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के प्रयास	
1.3	न्यूनतम अधिगम स्तर का अर्थ	
1.4	न्यूनतम अधिगम स्तर का निर्धारण	
1.5	न्यूनतम अधिगम स्तरों का महत्व	
1.6	प्रारंभिक स्तर पर गणित का महत्व	
1.7	गणित में न्यूनतम अधिगम स्तर	
1.8	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	
1.9	समस्या कथन	
1.10	प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रयुक्त शब्दावली एवं अर्थ	
1.11	शोध के उद्देश्य	
1.12	शोध परिकल्पनाऐं	
1.13	समस्या का सीमांकन	
1.14	चेप्टराईजेशन	
अध्याय –	**द्वितीय (सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन)**	18–25
2.0	प्रस्तावना	
2.1	साहित्य के पुनरावलोकन का महत्व	
2.2	पूर्व शोध आंकलन	

अध्याय –	तृतीय (शोध प्रविधि)	26–33
3.0	प्रस्तावना	
3.1	शोध अभिकल्प	
3.2	शोध में प्रयुक्त चर	
3.3	प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्श चयन	
3.4	उपकरण एवं तकनीक	
3.5	प्रदत्तों का संकलन	
3.6	प्रयुक्त सांख्यिकी	
अध्याय –	चतुर्थ (प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या)	34–47
4.0	प्रस्तावना	
4.1	प्रदत्तों का विश्लेषण	
4.1.1	परिकल्पना का सत्यापन	
अध्याय–पंचम (शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव)		48–56
5.0	प्रस्तावना	
5.1	समस्या कथन	
5.2	शोध में प्रयुक्त चर	
5.3	शौध के उद्देश्य	
5.4	शोध परिकल्पनाऐं	
5.5	प्रतिदर्श	
5.6	उपकरण	
5.7	प्रयुक्त सांख्यिकी	
5.8	शोध निष्कर्ष	
5.9	सुझाव	
5.10	भावी शोध हेतु सुझाव	
संदर्भग्रंथ सूची		
परिशिष्ट		